E -100 Marks
Batch – 2020-21 / 2021-22/2022-23

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र – १

परीक्षा : मई– २०२४

विषय : विशेष साहित्यकार – प्रेमचंद (भाग – १) (HC - 102)

दि.: २४/०५/२०२४ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'गोदान' उपन्यास में चित्रित कृषक जीवन की समस्याओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. २ उपन्यासकार प्रेमचंद जी ने कथानायक होरी एवं उसके परिवार का चित्रण किस प्रकार किया है ?

प्र. ३ 'गोदान' उपन्यास की कथावस्तु में चित्रित दो अलग परिवेशों के चित्रण की विशेषताएँ और उनकी समस्याओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ४ उपन्यास विधा में प्रेमचंद जी के 'गोदान' उपन्यास के महत्व को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ 'गबन' उपन्यास में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ७ गबन' उपन्यास की चरित्र योजना को विशद कीजिए ।

प्र. ८ 'गबन' के स्त्री–चरित्रों में अभिव्यक्त विविध भावों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स–संदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१) देख लिया तुम्हार न्याय और तुम्हारी अक्कल की दौड़ । गरीबों का गला काटना दूसरी बात है ।

२) मैं कोई गैर थोड़े ही हूँ, भैया !

३) अभी तो तुम्हारा राज नहीं है, तब तो तुम भोग–विलास पर इतना मरते हो

४) तेरे लिए चंद्रहार तेरे ससुराल से आएगा ।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१) 'गोदान' में चित्रित समस्याएँ

२) डॉ. मालती

३) देवीदीन

४) रमानाथ का चरित्र ।